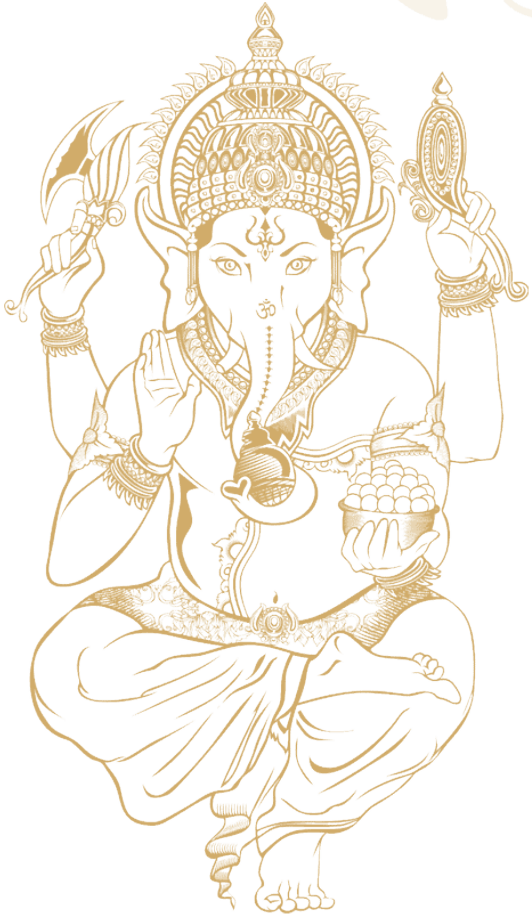

Jaitik

17 Nov 2015

01:57 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120901603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/11/2015**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:57:00 घंटे**
इष्ट	47:44:30 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:30:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:21 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:22 घंटे
सूर्योदय	06:51:12 घंटे
सूर्यास्त	17:32:09 घंटे
दिनमान	10:40:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:04:46 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:28:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:28:46	315:59:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	00:04:46	01:00:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	29:51:41	13:13:30	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	08:17:33	00:35:56	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	29:37:53	01:35:35	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	25:08:09	00:08:33	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	14:55:53	01:06:54	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि		अ	वृश्चि	11:49:12	00:07:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	05:13:17	00:05:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	05:13:17	00:05:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	23:06:22	00:01:48	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	12:56:30	00:00:04	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	19:34:34	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			वृष	24:58:13	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:42

लग्न-चलित

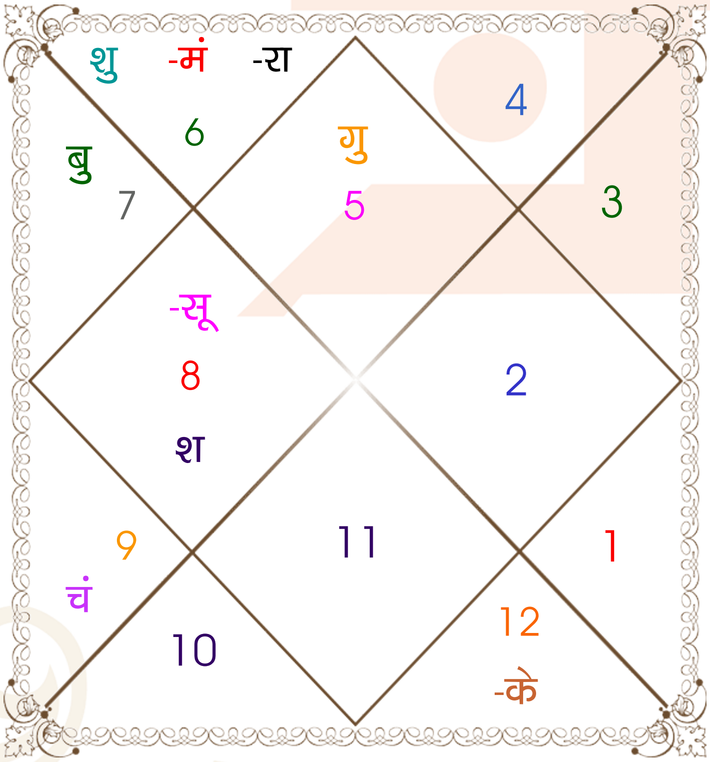

चन्द्र कुंडली

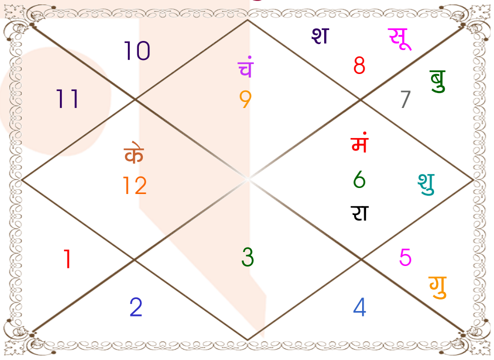

नवमांश कुंडली

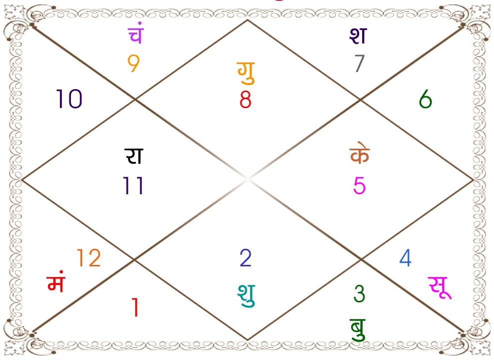

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/11/2015		09/06/2020		10/06/2030		09/06/2037		10/06/2055	
09/06/2020		10/06/2030		09/06/2037		10/06/2055		10/06/2071	
	00/00/0000	चंद्र	09/04/2021	मंगल	06/11/2030	राहु	20/02/2040	गुरु	28/07/2057
	00/00/0000	मंगल	08/11/2021	राहु	24/11/2031	गुरु	16/07/2042	शनि	08/02/2060
	17/11/2015	राहु	10/05/2023	गुरु	30/10/2032	शनि	22/05/2045	बुध	16/05/2062
राहु	27/06/2016	गुरु	08/09/2024	शनि	09/12/2033	बुध	09/12/2047	केतु	22/04/2063
गुरु	15/04/2017	शनि	10/04/2026	बुध	06/12/2034	केतु	27/12/2048	शुक्र	21/12/2065
शनि	28/03/2018	बुध	09/09/2027	केतु	04/05/2035	शुक्र	28/12/2051	सूर्य	09/10/2066
बुध	02/02/2019	केतु	09/04/2028	शुक्र	03/07/2036	सूर्य	20/11/2052	चंद्र	08/02/2068
केतु	10/06/2019	शुक्र	09/12/2029	सूर्य	08/11/2036	चंद्र	22/05/2054	मंगल	14/01/2069
शुक्र	09/06/2020	सूर्य	10/06/2030	चंद्र	09/06/2037	मंगल	10/06/2055	राहु	10/06/2071

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/06/2071		10/06/2090		11/06/2107		11/06/2114		11/06/2134	
10/06/2090		11/06/2107		11/06/2114		11/06/2134		00/00/0000	
शनि	13/06/2074	बुध	05/11/2092	केतु	07/11/2107	शुक्र	10/10/2117	सूर्य	28/09/2134
बुध	20/02/2077	केतु	02/11/2093	शुक्र	06/01/2109	सूर्य	10/10/2118	चंद्र	30/03/2135
केतु	31/03/2078	शुक्र	02/09/2096	सूर्य	14/05/2109	चंद्र	10/06/2120	मंगल	05/08/2135
शुक्र	31/05/2081	सूर्य	10/07/2097	चंद्र	13/12/2109	मंगल	10/08/2121	राहु	18/11/2135
सूर्य	13/05/2082	चंद्र	09/12/2098	मंगल	11/05/2110	राहु	10/08/2124		00/00/0000
चंद्र	12/12/2083	मंगल	06/12/2099	राहु	30/05/2111	गुरु	11/04/2127		00/00/0000
मंगल	20/01/2085	राहु	26/06/2102	गुरु	04/05/2112	शनि	11/06/2130		00/00/0000
राहु	27/11/2087	गुरु	01/10/2104	शनि	13/06/2113	बुध	10/04/2133		00/00/0000
गुरु	10/06/2090	शनि	11/06/2107	बुध	11/06/2114	केतु	11/06/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरुद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरुष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरु दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।